अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अंक-योजना SANSKRIT

SUBJECT कोड संख्या : 122 PAPER कोड : 52/1 SERIES: JBB/1

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

Download from www.MsEducationTv.com

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

Download from www.MsEducationTv.com

अंक-योजना (Marking Scheme) X Class 2020 Series JBB/1

संस्कृतम् (Sanskrit Core) Set 4 **(Code No. 52/1)**

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं।इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं।इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं।विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ।विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। जहाँ भी विकल्प दिए गए हैं उन प्रश्नों मे से केवल सही उत्तर वाले विकल्प ही ले लिए जाएँ।आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत वाक्य निर्माण संबंधी प्रश्न में वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठितांश अवबोधनम्) 10 अङ्काः

1। (अ) एकपदेन उत्तरत। (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×2=2**

(i) राजदेवस्य (ii) सीतारामनामकं/युवकम् (iii) दश

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 2 अंक। **2×2=4**

(i) ...... भवान् राजदेवगृहे ......।

(ii) ...... सज्जनः ......।

(iii) सुन्दरराजः राजदेवोपरि......।

(स) विश्वासपात्रता/ विश्वासः फलदायकः /सुन्दरराजः राजदेवः च अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक । **1**

(द) यथानिर्देशम् उत्तरत। (केवल तीन प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) (ख) सुन्दरराजः (ii) (ग) सज्जनः (iii) (क) क्लेशम् (iv) (ख) सज्जनः

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। **½×10=5**

(i) कावेरीछात्रावासः

(ii) जातः

(iii) इदानीम्

(iv) स्वास्थ्यस्य

(V) उत्थाय

(vi) व्यायामं

(vii) तदनन्तरं

(viii) गच्छामि

(ix) विद्यालयात्

(x) पुत्रः

3। चित्र लेखनम् **1×5=5**

बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं।केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए।इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है।वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं।व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ ।मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं-आवश्यक नहीं।वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ।त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ।पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अंक दिए जाऐं। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक हैं।

Download from www.MsEducationTv.com

अथवा

देशभक्तिः विषय पर पाँच वाक्य लिखने हैं। यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

4। किन्हीं **पाँच** वाक्यों का अनुवाद करना है। बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। अन्य विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ न कि पूरे। **1×5=5**

(i) गोपालः गीतं गायति। (ii) वयं चलचित्रं पश्यामः।
(iii) रमा श्वः कोलकातां /कोलकातानगरं गमिष्यति। (iv) ह्यः श्यामः कुत्र आसीत्?
(v) यूयं कलमेन लिखत / लिखथ। (vi) बालः भल्लूकात् बिभेति।
(vii) किं ते/ताः पठन्तु/पठेयुः?

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 25 अंकाः

5। **सन्धि/संधिच्छेद** -आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) शिरश्छेदः (ii) भासमानम्+निजभवनम् (iii) आ+छन्नः (iv) सन्मार्गम्/सद्मार्गम् (v) योजकः +तत्र

6। **समस्तपदविग्रह** -इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (क) स्थिता प्रज्ञा यस्य सः (ii) (ग) इष्टम् अनतिक्रम्य (iii) (क) कुशः च लवः च
(iv) (ग) भारवेदनया (v) (क) अनुमृगम्

7। **प्रकृति-प्रत्यय**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (ख) विशेष+तल् (ii) (क) वत्सल+टाप् (iii) (ग) स्थिरत्वम् (iv) (क) बलवत्+ङीप् (v) (ख) धार्मिकः

8। **वाच्य परिवर्तन**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(i) मया (ii) श्लोकाः (iii) पाठ्यते

अथवा (OR)

यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(क) त्वया पुस्तकं पठ्यते। (ख) शिशुः पयः पिबति।
(ग) मया विद्यालयः गम्यते। (घ) गीता गीतं गायति। (ङ) रमया सङ्कल्पः क्रियते।

9। **समय**-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल चार प्रश्न)

(क) अष्ट (वादने) (ख) सार्ध-चतुर्/चतुः (वादने) (ग) सपाद-सप्त (वादने) (घ) सार्ध-षट्/षड् (वादने) (ङ) पादोन-नव (वादने) **1×4=4**

Download from www.MsEducationTv.com

10 | अव्यय-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। कुछ प्रश्नों के उत्तर विकल्पात्मक हो सकते हैं अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। (केवल छः प्रश्न) **½×6=3**

(क) श्वः (ख) अद्य (ग) इदानीम् (घ) तर्हि
(ङ) अपि (च) कदा (छ) सहसा (ज) वृथा

11 | अशुद्धि शोधन-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल तीन प्रश्न) **1×3=3**

(क) फलानि (ख) क्रीडिष्यति (ग) सः (घ) भ्रमतः

खण्डः 'घ भाग' (Section-D)(पठितांश-अवबोधनम्) 30 अङ्काः

12 | इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है। बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ।

गद्यांशः

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) बंकिमचन्द्रः (ii) प्रमाणाभावात् /प्रमाणस्य (iii) कर्मचारी

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 1 अंक। **1**

(i) ......आरक्षिणिम् अभियुक्तं च......।
(ii) ... यत् इतः कोशद्वयान्तरे......... ।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल तीन प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) (ख) निर्दोषम् (ii) (ग) बंकिमचन्द्रः (iii) (क) अग्रिमे (iv) (ख) आदिष्टवान्

13 | **पद्यांशं**

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) आचारः/सदाचारः (ii) विदुषाम् (iii) आचारः/सदाचारः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 1 अंक। **1**

(i) ...... आचारं/सदाचारं ......।
(ii) ...... आचारः प्रथमः धर्मः......।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल तीन प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) (क) जनः (ii) (क) धर्मः (iii) (ख) वचः (iv) (ग) विदुषाम्

14 | **नाट्यांशं**

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) भो श्रेष्ठिन् ! (ii) नन्दस्य (iii) चन्द्रगुप्तस्य

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 1 अंक। **1**

(i) ...... प्रतिप्रियम् ......।
(ii) ...... आर्य कः पुनरधन्यो ......।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल तीन प्रश्न)। प्रत्येक के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) (ख) अपरिक्लेशः (ii) (क) चन्द्रगुप्तराज्यम् (iii) (ख) अविरुद्धवृत्तिः (iv) (क) उत्पादयति

Download from www.MsEducationTv.com

15 प्रश्ननिर्माण-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल प्रश्नवाचक शब्द लिख सकते हैं। व्याकरण वर्तनी आदि की त्रुटियों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं। केवल चार प्रश्न प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। 1×4=4

(i)कस्मै/कस्यै (ii)कस्याम् /कुत्र (iii) कस्मात्/कस्माद्/कथम् (iv) कुत्र/कस्मिन् (v) केन

16 अन्वय-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। कुल आठ रिक्त स्थान प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। ½×8=4

I (i)बाल्ये (ii) यच्छति (iii) तपः (iv) तत्कृतज्ञता

II (i) वाचम् (ii) परुषाम् (iii) पक्वम् (iv) भुङ्क्ते

अथवा (OR)

भावार्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। 1×4=4

(i) आलस्यम् (ii) महान् (iii) उद्यमसमः (iv) दुःखितः

17 कथाक्रम-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर संख्या लिख सकते हैं। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं ।

½×8=4

1। बहूनि अपत्यानि मे सन्ति......।
2। तथापि मम अस्मिन् पुत्रे......।
3। यतो हि अयम् ......।
4। सर्वेषु सन्तानेषु जननी ......।
5। तथापि दुर्बले सुते ......।
6। सुरभिवचनं श्रुत्वा ......।
7। स तामेव असान्त्वयत् ......।
8। अचिरादेव चण्डवातेन मेघरवैः ......।

18 शब्दार्थ -संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। 1×3=3

(i) सुहृद् - मित्रम् (ii) गजः - कुञ्जरः (ii) सविता - सूर्यः (ii) गात्रम् - शरीरम्

अथवा (OR)

केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। 1×3=3

(i) (क) मारणीयः (ii) (ख) भानुः (iii) (ख) मिथ्या (iv) (क) द्रुतगत्या

****

Download from www.MsEducationTv.com